हिन्दुस्तान

लक्ष्मीबाई कालेज में गिरमिटिया अध्ययन पर शोधपीठ

नई दिल्ली, हिटी। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) तथा ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के बीच कालेज में गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ की स्थापना करने का एमओयू (समझौता ज्ञापन) हुआ है। यह शोधपीठ भारत एवं विदेशों के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देगी तथा गिरमिटिया विरासत के संरक्षण एवं प्रलेखन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेगी। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. लता शर्मा, ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संस्थापक अरविन्द पांडेय, शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मिश्र, अभिषेक भास्कर, डॉ. विनय मिश्र आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

ी बड़ी जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी संस्थाओं को कमजोर किया गया। असर पड़ा। योगी आदित्यनाथ ने कहा झोंक दिया गया था। उन्होंने कहा कि भावना से ओत-प्रोत रहा।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में 'गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ' की हुई स्थापना

दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत ऐतिहासिक पहल, 5 वर्षों के लिए MoU के तहत शुरू हुई शोधपीठ

पार्थ चेतना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत लक्ष्मीबाई महाविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के मध्य संपन्न समझौता ज्ञापन के तहत महाविद्यालय में गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों (24 जून 2026 से 23 जून 2031) के लिए स्थापित की गई है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लता शर्मा ने कहा कि यह शोधपीठ भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेषकर गिरमिटिया समाज के इतिहास, संस्कृति, विरासत और समकालीन चुनौतियों के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल भारतीयता के वैश्विक आयामों को समझने तथा भारत और विश्व के भारतीय समुदायों के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संस्थापक अरविन्द पाण्डेय ने इस अनुबंध को गिरमिटिया समाज के अध्ययन और शोध की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने महाविद्यालय के नवाचार एवं शोध के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में इस चेयर के मूलभूत संसाधनों को सुदृढ़ कर शोध, नवाचार एवं इंटर्नशिप गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा।

शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि इस पहल के माध्यम से गिरमिटिया एवं भारतीय प्रवासी समुदायों पर बहु-विषयक अनुसंधान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यानमालाओं, प्रकाशनों, शोध परियोजनाओं तथा अभिलेखीकरण एवं डिजिटल रिपॉजिटरी के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अध्ययन, शोध एवं आदान-प्रदान के नए अवसर उपलब्ध होंगे। शोधपीठ के अन्य सदस्यों में अभिषेक भास्कर (अंग्रेजी विभाग), डॉ. विनय कुमार मिश्र (संगीत विभाग), सुश्री भावना सक्सेना (सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार), प्रांजल पाण्डेय (संस्थापक सदस्य, ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल) तथा डॉ. प्रमिला (विशेष आमंत्रित सदस्य) शामिल हैं। यह शोधपीठ भारत एवं विदेशों के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देगी तथा गिरमिटिया विरासत के संरक्षण एवं प्रलेखन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेगी। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल ने इस पहल को भारतीय प्रवासी अध्ययन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि यह शोधपीठ भारत और विश्व के भारतीय मूल के समुदायों के बीच ज्ञान, संस्कृति और अनुसंधान के नए सेतु स्थापित करेगी।

लक्ष्मीबाई कॉलेज में 'गिरमिटिया अध्ययन शोधपीठ' स्थापित

डीयू व गिरमिटिया काउंसिल के बीच एमओयू, प्रारंभिक रूप से पाँच वर्ष कार्य करेगा शोधपीठ

नई दिल्ली (काशीवार्ता)। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, डीयू एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के मध्य संपन्न समझौता ज्ञापन के अंतर्गत महाविद्यालय में गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों (24 जून 2026 से 23 जून 2031) के लिए स्थापित की गई है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लता शर्मा ने कहा कि यह शोधपीठ भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेषकर गिरमिटिया समाज के इतिहास, संस्कृति, विरासत और समकालीन चुनौतियों के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल भारतीयता के वैश्विक आयामों को समझने तथा भारत और विश्व के भारतीय समुदायों के मध्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संस्थापक अरविन्द पाण्डेय ने इस अनुबन्ध को गिरमिटिया समाज के अध्ययन व शोध की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में समाजशास्त्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि शोधपीठ के माध्यम से गिरमिटिया एवं भारतीय प्रवासी समुदायों पर बहु-विषयक अनुसंधान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यान मालाओं, प्रकाशनों, शोध परियोजनाओं तथा अभिलेखीकरण एवं डिजिटल रिपॉजिटरी के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा साथ ही विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अध्ययन, शोध एवं आदान-प्रदान के नए अवसर उपलब्ध होंगे। शोधपीठ के अन्य सदस्यों में अभिषेक भास्कर, डॉ. विनय कुमार मिश्र, सुश्री भावना सक्सेना, प्रांजल पाण्डेय तथा डॉ. प्रमिला शामिल हैं। यह शोधपीठ भारत एवं विदेशों के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देगी।

गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ" की स्थापना

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के मध्य संपन्न समझौता ज्ञापन (**MoU**) के अंतर्गत महाविद्यालय में "गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ ₹ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ प्रारंभिक रूप से पाँच वर्षों (24 जून 2026 से 23 जून 2031) के लिए स्थापित की गई है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लता शर्मा ने कहा कि यह शोधपीठ भारतीय प्रवासी समुदाय, विशेषकर गिरमिटिया समाज के इतिहास, संस्कृति, विरासत और समकालीन चुनौतियों के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल भारतीयता के वैश्विक आयामों को समझने तथा भारत और विश्व के भारतीय समुदायों के मध्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंधों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ग्लोबल गिरमिटिया काउन्सिल के संस्थापक श्रीमान अरविन्द पाण्डेय जी ने इस अनुबन्ध को गिरमिटिया समाज के अध्ययन व शोध की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए महाविद्यालय के नवाचार व शोध के प्रति सकारात्मक दृष्टि की भूरी भूरी प्रशंसा की साथ ही इस संकल्प को अभिव्यक्त किया की आने वाले कुछदिनों में ही इस चेयर के मूलभूत संसाधनों को सशक्त करते हुए,शोध, नवाचार एवं इन्टर्नशिप की गतिविधीयों को आगे बढ़ाया जायेगा ।

इस शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि शोधपीठ के माध्यम से गिरमिटिया एवं भारतीय प्रवासी समुदायों पर बहु-विषयक अनुसंधान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, व्याख्यानमालाओं, प्रकाशनों, शोध परियोजनाओं तथा अभिलेखीकरण एवं डिजिटल रिपॉजिटरी के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अध्ययन, शोध एवं आदान-प्रदान के नए अवसर उपलब्ध होंगे। शोधपीठ के अन्य सदस्यों में श्रीमान अभिषेक भास्कर(अंग्रेजी विभाग), डॉ. विनय कुमार मिश्र (संगीत विभाग) सुश्री भावना सक्सेना (सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार), श्री प्रांजल पाण्डेय (संस्थापक सदस्य, ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल) तथा डॉ. प्रमिला (विशेष आमंत्रित सदस्य) शामिल हैं। इस शोधपीठ का उद्देश्य भारत एवं विदेशों के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देगी तथा गिरमिटिया विरासत के संरक्षण एवं प्रलेखन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करना।

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल ने इस पहल को भारतीय प्रवासी अध्ययन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि यह शोधपीठ भारत और विश्व के भारतीय मूल के समुदायों के बीच ज्ञान, संस्कृति और अनुसंधान के नए सेतु स्थापित करेगी।

04
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
शकुन टाइम्स

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थापित हुई गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियां। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय में गुरुवार को गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ आगामी पांच वर्षों तक भारतीय प्रवासी समाज, विशेषकर गिरमिटिया समुदाय के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष और योगदान पर शोध एवं अध्ययन का केंद्र बनेगी।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लता शर्मा ने कहा कि यह पहल भारतीयता के वैश्विक स्वरूप को समझने तथा भारत और विश्वभर के भारतीय मूल के समुदायों के बीच शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्षेत्र के इटवा गांव के रहने वाले,ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संस्थापक अरविंद पाण्डेय ने इसे गिरमिटिया समाज के अध्ययन और शोध की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि शोधपीठ को संसाधनों से सशक्त बनाकर शोध, नवाचार और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। कहा कि इसके माध्यम से गिरमिटिया वंशजों के मूल, उनके संघर्ष और वैश्विक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा। शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि इसके माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां, शोध परियोजनाएं, प्रकाशन, अभिलेखीकरण तथा डिजिटल रिपॉजिटरी के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। शोधार्थियों और विद्यार्थियों को अध्ययन एवं शोध के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। शोधपीठ के सदस्यों में प्रांजल पाण्डेय (संस्थापक सदस्य, ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल), अभिषेक भास्कर, डॉ. विनय कुमार मिश्र, सुश्री भावना सक्सेना तथा डॉ. प्रमिला शामिल हैं। यह शोधपीठ देश-विदेश के विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए गिरमिटिया विरासत के संरक्षण और प्रलेखन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थापित हुई गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ

आदर्श सत्यांकित खबरें

चहनियां, चंदौली। लक्ष्मीबाई महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय एवं ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय में गुरुवार को "गिरमिटिया अध्ययन एवं भारतीय प्रवासी शोधपीठ की स्थापना की गई है। यह शोधपीठ आगामी पांच वर्षों तक भारतीय प्रवासी समाज, विशेषकर गिरमिटिया समुदाय के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष और योगदान पर शोध एवं अध्ययन का केंद्र बनेगी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लता शर्मा ने कहा कि यह पहल भारतीयता के वैश्विक स्वरूप को समझने तथा भारत और विश्वभर के भारतीय मूल के समुदायों के बीच शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। क्षेत्र के इटवा गांव के रहने वाले ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के संस्थापक अरविंद पाण्डेय ने इसे गिरमिटिया समाज के अध्ययन और शोध की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि

शोधपीठ को संसाधनों से सशक्त बनाकर शोध, नवाचार और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। कहा कि इसके माध्यम से गिरमिटिया वंशजों के मूल, उनके संघर्ष और वैश्विक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा। शोधपीठ के निदेशक एवं समन्वयक डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि इसके माध्यम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां, शोध परियोजनाएं, प्रकाशन अभिलेखीकरण तथा डिजिटल रिपॉजिटरी के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा।शोधार्थियों और विद्यार्थियों को अध्ययन एवं शोध के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। शोधपीठ के सदस्यों में प्रांजल पाण्डेय (संस्थापक सदस्य, ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल), अभिषेक भास्कर, डॉ. विनय कुमार मिश्र भावना सक्सेना तथा डॉ. प्रमिला शामिल हैं। यह शोधपीठ देश-विदेश के विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए गिरमिटिया विरासत के संरक्षण और प्रलेखन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।